संपादकीय

भाषाएं कहीं महज बोलियों में न बदल जाएं

पिछले दिनों पाकिस्तान से उर्दू को लेकर एक खबर सामने आई। खबर कुछ यूं थी, 'पाक सुप्रीम कोर्ट ने उर्दू को लेकर इमरान खान को लगाई फटकार।' खबर को परखने पर पता चला कि, 'सुप्रीम कोर्ट ऑफ पाकिस्तान ने उर्दू को सरकारी जबान लागू न करने पर संघीय सरकार से जवाब तलब किया। जस्टिस उमर अता बंदियाल ने रिमार्क्स दिए कि मादरी और कौमी जबान के बगैर हम अपनी पहचान खो देंगे। कोर्ट ने पंजाबी जबान को लागू न करने पर पंजाब हुकूमत से भी जवाब तलब कर लिया। जस्टिस बंदियाल ने अपने रिमार्क्स में यह भी कहा कि संविधान के आर्टिकल 251 में कौमी जबान के साथ-साथ मुकामी जबानों का भी उल्लेख है, और हमें भी अपने पूर्वजों की तरह फारसी और अरबी पढ़नी चाहिए।' इस खबर को पढ़ने के बाद पक्का यकीन हो गया कि 1947 में हमारे बीच लकीर जरूर खींच दी गई, उसके बाद हम दोनों एक दूसरे के जानी दुश्मन भी बन गए हैं, लेकिन हमारी रगों में दौड़ता खून हमसे हरकतें तो एक जैसी करा रहा है। सारी बातों को छोड़, आज हम सिर्फ भाषाओं के प्रति अपनी बेदर्दी और बेरहमी की ही बात करेंगे। हमारी पिछली तीन पीढ़ियां लगातार अंग्रेजी में ही पढ़ती-लिखती आ रही हैं, बोलतीं भले ही वे अपनी मातृभाषा हों, लेकिन पढ़ने लिखने के स्तर पर वे लगातार मातृभाषाओं से दूर होती जा रही हैं। अगर यही हाल रहा तो अगले सत्तर-अस्सी बरसों में हमारी जबानें बोलियां बन के रह जाएंगी।पाकिस्तान में जब हम उर्दू पर नजर दौड़ाते हैं तो हमें जनाब अनवर मकसूद का कथन याद आ जाता है, 'पाकिस्तान में उर्दू का वही हाल है जो भारत में अंग्रेजी का। आती किसी को नहीं, बोले हर कोई जा रहा है।' भाषाएं कैसे केवल 'बोलियां' बनकर रह जाती हैं, इसका जीता जागता प्रमाण सिंधी भाषा है। जब हम स्कूल जाया करते थे, तब उर्दू जबान के स्कूलों के साथ सिंधी भाषा के स्कूल भी होते थे। वक्त के साथ सिंधी जबान के स्कूल गायब होते गए, और सिंधी लिखने और पढ़ने वाले लुप्त होते गए। अपने स्कूल के जमाने में जो सिंधी जबान हमारी नजरों से गुजरती थी, वह उर्दू जैसी लिपि में नजर आती थी। जानकार कहते हैं एक जमाने में सिंधी, अरबी और देवनागरी दोनों लिपियों में लिखी जाती थी। लेकिन धीरे-धीरे अरबी लिपि का जोर नजर आने लगा। पाकिस्तान में आज भी ये जबान अरबी लिपि में ही नजर आती है, लेकिन अंग्रेजी के प्रभाव के कारण अब बच्चे इसे ज्यादातर रोमन में ही लिखते पढ़ते हैं। यही हाल लगभग सारी जबानों का है। पाकिस्तान में भी अब ज्यादातर ऊंचे तबके के लोग अपने बच्चों को अंग्रेजी ही पढ़ा रहे हैं, और उनकी देखा-देखी हर किसी की आरजू होती है कि उनका बच्चा अंग्रेजी पढ़े और फर्-फर्र अंग्रेजी बोले। भारत में भी लगातार भारतीय भाषाओं के स्कूल बंद होते जा रहे हैं, और अंग्रेजी स्कूलों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। हमारा खून एक है, हमारी आदतें एक हैं। ये बात भाषाओं की दुर्दशा को देख कर साफ-साफ कही जा सकती है। जिस पंजाबी जबान का जिक्र पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने किया है, वह भी उर्दू लिपि में ही लिखी जाती है। यह बात मैं इतने दावे से इसलिए कह सकता हूं क्योंकि फैज अहमद फैज का समग्र, 'नुस्खा-ए-वफा' मेरे सामने है, और मैं उनकी पंजाबी नज्में उर्दू लिपि में पढ़ रहा हूं। भाषा को लेकर दोनों देशों की अदालतों की चिंताएं एक जैसी ही हैं। पिछले हफ्ते ही सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया के चीफ जस्टिस एनवी रमना ने भी अदालतों के भारतीयकरण पर जोर दिया। भारतीयकरण से उनका मतलब अदालतों में हिंदी सहित स्थानीय भाषाओं के प्रयोग से था। उन्होंने साफ कहा कि अदालतों में अधिकतर अंग्रेजी ही चल रही है। जब दोनों मुल्कों की अदालतें अपनी भाषाओं को सहेजना चाहती हैं, तो ऐसे में हिंदुस्तान और पाकिस्तान दोनों को ही इस मसले पर गौरो-फिक्र करना होगा, वरना हावी होती अंग्रेजियत आने वाली पीढ़ियों से उसकी भाषा ही छीन लेगी। यह बात हमेशा याद रखनी चाहिए कि जो कौमें अपनी भाषाओं को भुला देती हैं, उनके संस्कार भी धीरे-धीरे मिट जाते हैं। *-जमील गुलरेज*

तेल की कीमतों में फिर बढ़ोतरी, पहली बार पेट्रोल 111 रुपये और डीजल 100 रुपए के पार पहुंचा

नई दिल्ली । तेल उत्पादक देशों के शीर्ष संगठन ओपेक के मांग के अनुरूप तेल उत्पादन नहीं बढ़ाने से अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के सात वर्ष के उच्चतम स्तर 81 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंचने से मंगलवार को देश में पेट्रोल 25 पैसे और डीजल 30 पैसे प्रति लीटर महंगा हो गया। इससे देश के कुछ शहरों में पेट्रोल पहली बार 111 रुपये प्रति लीटर और डीजल 100 रुपये प्रति लीटर के पार पहुंच गया।लगातार चार दिनों की तेजी के बाद कल इन दोनों की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया था लेकिन आज फिर से इसमें बढोतरी की गयी जिससे राजधानी दिल्ली में इनकी कीमतें अब तक के रिकार्ड स्तर पर पहुंच गयी। इस वृद्धि के बाद राजधानी दिल्ली में पेट्रोल अब तक के रिकार्ड उच्चतम स्तर 102.64 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल भी सर्वकालिक उच्चतम स्तर 91.07 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया। पिछले एक सप्ताह में पेट्रोल 1.24 पैसे महंगा हो चुका है। डीजल भी 10 दिनों में से 2.45 रुपये प्रति लीटर चढ़ चुका है।ओपेक देशों की कल बैठक हुयी जिसमें प्रतिदिन चार लाख बैरल तेल उत्पादन बढ़ाने का निर्णय लिया गया जबकि कोरोना के बाद अब वैश्विक स्तर पर इसकी मांग में जबरदस्त तेजी दिख रही है। इस निर्णय के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल में जबरदस्त तेजी दिखी। कल अमेरिकी बाजार में कारोबार बंद होने पर ब्रेंट क्रूड 2.28 डॉलर प्रति बैरल की तेजी लेकर 81.26 डॉलर प्रति बैरल और अमेरिकी क्रूड 2.07 डॉलर की बढ़त के साथ 77.62 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार, दिल्ली में पेट्रोल 102.64 रुपये प्रति लीटर और डीजल 91.07 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया। इस बढोतरी के बाद भी दिल्ली एनसीआर के नोएडा में पेट्रोल 99.94 रुपये प्रति लीटर और डीजल 91.68 रुपये प्रति लीटर पर है। अभी भोपाल में पेट्रोल 111.14 रुपये प्रति लीटर और डीजल 100.05 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है।

पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की रोजाना समीक्षा होती है और उसके आधार पर हर दिन सुबह छह बजे से नयी कीमतें लागू की जाती हैं।

देश के चार बड़े महानगरों में आज पेट्रोल और डीजल के दाम इस प्रकार रहे-

शहर का नाम	पेट्रोल (रुपये/लीटर)	(डीजल रुपये/लीटर)
दिल्ली	102.64	91.07
मुंबई	108.68	98.80
चेन्नई	100.23	95.59
कोलकाता	103.36	94.17

कंपनी सचिवों को अपनी वर्तमान जिम्मेदारियों से आगे की सोचना चाहिए : सीतारमण

नई दिल्ली । वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज कहा कि कंपनी सचिवों को अपनी वर्तमान जिम्मेदारियों से आगे की सोचना चाहिए और कर देने वाले नागरिकों के लिए अनुपालनों को कम करने में मंत्रालयों एवं नियामकों के साथ भागीदारी करनी चाहिए।

श्रीमती सीतारमण ने यहां कंपनी सचिव संस्थान के 53वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुये कहा कि संस्थान ने आजादी के अमृत महोत्सव से इस कार्यक्रम को जोड़ना सराहनीय है। कोरोना के दौरान सराहनीय काम करने के लिए कंपनी सचिवों की तारीफ करते हुये उन्होंने कहा कि देश के युवाओं को इस पेशे से जुड़ना चाहिए क्योंकि यह भविष्य में तेजी से बढ़ने वाला क्षेत्र बनकर उभरेगा।

इस अवसर पर वित्त सचिव टी वी सोमनाथन और कंपनी मामलों के सचिव राजेश वर्मा भी मौजूद थे। इस मौके पर श्रीमती सीतारमण ने संस्थान के आस्ट्रेलिया में परिसर की शुरूआत भी की। यह कंपनी का विदेश में पांचवा परिसर है। अभी अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात , ब्रिटेन और सिंगापुर में परिसर है।

दिशा पाटनी बनी डाबर गुलाबरी की नई ब्राण्ड अम्बेसडर

नई दिल्ली । डाबर इंडिया ने आज गुलाब के गुणों से भरपूर अपने स्किन केयर ब्राण्ड गुलाबारी के लिए बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पाटनी को नई ब्राण्ड अम्बेसडर नियुक्त किया। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि दिशा अब से डाबर गुलाबारी का नया चेहरा होंगी और विभिन्न प्लेटफॉर्म्स पर ब्राण्ड के विज्ञापनों में नज़र आएंगी। उसने कहा कि 'डाबर गुलाबारी भारत के सबसे भरोसेमंद ब्यूटी एवं स्किन केयर ब्राण्ड्स में से एक है, जो चमकती खूबसूरत त्वचा और गुलाबों जैसे निखार का वादा करता है।

सेबी ने आदित्य बिड़ला मनी पर 1.02 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया, भरने के लिए कंपनी को 45 दिन का समय

मुंबई। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने शेयर ब्रोकर नियमन समेत बाजार नियमों का उल्लंघन करने को लेकर आदित्य बिड़ला मनी लिमिटेड पर एक करोड़ रुपये से अधिक का जुर्माना लगाया। सेबी, बीएसई, एनएसई और डिपॉजिटरी द्वारा किए गए संयुक्त निरीक्षण के आधार पर मार्च 2019 में आदित्य बिड़ला मनी के खिलाफ इस संबंध में कार्यवाही शुरू की गई थी। बाजार नियामक द्वारा मार्च 2018 में कंपनी पर एक विशेष प्रयोजन निरीक्षण भी किया गया था। इन निरीक्षण के निष्कर्षों के आधार पर सेबी ने यह कार्यवाही शुरू की थी। सेबी ने कहा, किसी भी पंजीकृत शेयर ब्रोकर को ईमानदारी के उच्च मानकों को बनाए रखना चाहिए और उचित कौशल तथा वैधानिक आवश्यकताओं का पालन करना चाहिए। साथ ही सामान्य परिस्थितियों में ग्राहक को निवेश की ऐसी कोई सलाह नहीं देनी चाहिए, जिसका पालन उसके द्वारा नहीं किया गया था।

सेबी ने कहा कि आदित्य बिड़ला मनी लिमिटेड ने स्टॉक ब्रोकर नियमन का उल्लंघन करते हुए बिना किसी समझौते के ग्राहकों के लिए पोर्टफोलियो प्रबंधन सेवाएं की हैं। उसने कहा कि आदित्य बिड़ला मनी के पास अपने व्यवसाय के संचालन और अपने ग्राहकों के साथ व्यवहार करने में उचित कौशल और देखभाल सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त प्रणाली और आंतरिक नियंत्रण नहीं था। बाजार नियामक द्वारा लगाए गए कुल 1.02 रुपये के जुर्माना को भरने के लिए कंपनी को 45 दिन का समय दिया गया है।

मोदी सरकार ने जनरल प्रोविडेंट फंड की ब्याज दरों का किया ऐलान

नई दिल्ली। केन्द्र सरकार ने जनरल प्रोविडेंट फंड के लिए अक्टूबर से दिसंबर तक की तिमाही के लिए ब्याज दरों का ऐलान कर दिया है। जरनल प्रोविडेंट फंड और ऐसे ही अन्य स्कीम पर केन्द्र सरकार ने चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के लिए ब्याज दरों में बदलाव नहीं किया है। यानी इस तिमाही के दौरान 7.1 प्रतिशत ब्याज निवेशकों को मिलेगा। वित्त मंत्रालय के इकोनामिक अफयेर्स डिपार्टमेंट के बजट डिवीजन ने इस बात की पुष्टि की है।

बजट डिवीजन के नोटिफिकेशन में कहा गया है, एक सामान्य जानकारी के लिए यह घोषणा की जा रही है कि जनरल प्रोविडेंट फंड की ब्याज दर 7.1 प्रतिशत रहेगी। यह 1 अक्टूबर 2021 से लागू रहेगा।

इन सभी स्कीम पर लागू होगी ये ब्याज दर -

1- जनरल प्रोविडेंट फंड (सेन्ट्रल सर्विसेज)
2- दी कॉन्ट्रीब्यूट्री फंड (इंडिया)
3- ऑल इंडिया सर्विस प्रोविडेंट फंड
4- स्टेट रेलवे प्रोविडेंट फंड
5- जनरल प्रोविडेंट फंड (डिफेंस सर्विस)
6- इंडियन ऑर्डेनेंस डिपार्टमेंट प्रोविडेंट फंड
7- इंडियन ऑर्डेनेंस फैक्ट्रीज वर्कमेन्स प्रोविडेंट फंड
8- इंडियन नावल डॉकयार्ड वर्कमेन्स प्रोविडेंट फंड

टी-20 विश्व कप में सभी स्टेडियम्स पर 70 फीसदी दर्शकों की होगी अनुमति

दुबई । संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में अक्टूबर-नवंबर में आयोजित होने वाले आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप में सभी स्टेडियम्स पर 70 फीसदी दर्शकों को प्रवेश की अनुमति होगी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने इसकी घोषणा की है। आईसीसी ने एक बयान में कहा, आईसीसी और टूर्नामेंट का मेजबान बीसीसीआई ने मेजबान अधिकारियों के साथ मिलकर काम किया है, ताकि दर्शकों का सुरक्षित वातावरण में स्वागत सुनिश्चित किया जा सके। सभी आयोजन स्थलों पर कोरोना प्रोटोकॉल लागू होंगे। आईसीसी के इस फैसले के बाद टी-20 विश्व कप दर्शकों की भागीदारी के लिहाज से कोरोना महामारी के बाद से यूएई में सबसे बड़े पैमाने पर आयोजित होने वाला टूर्नामेंट होगा।

उल्लेखनीय है कि इस साल जून में यूएई में आयोजित पीएसएल (पाकिस्तान सुपर लीग) का दूसरा भाग दर्शकों की गैर मौजूदगी में आयोजित हुआ था, जबकि वर्तमान में यहां जारी आईपीएल 2021 में कम क्षमता के साथ स्टेडियम्स में दर्शकों की मौजूदगी दिख रही है। जैसा कि पहले खबरें चल रहीं थी कि आईपीएल मैचों के लिए प्रशंसकों को प्रवेश देना टी-20 विश्व कप के लिए संयुक्त अरब अमीरात में स्थानीय सरकारों, आईसीसी और बीसीसीआई के लिए एक तरह की ड्रेस रिहर्सल भी है। समझा जाता है कि ओमान और यूएई दोनों में मैचों के लिए टिकटों की बिक्री शुरू हो चुकी है। अबू धाबी के स्टेडियम में सोशल डिस्टेंसिंग वाले मंच भी शामिल होंगे और प्रत्येक में चार लोग बैठ सकेंगे, जबकि ओमान क्रिकेट अकादमी में एक अस्थायी संरचना तीन हजार प्रशंसकों को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने में सक्षम बनाएगी।

ड्राइविंग लाइसेंस की हिन्दी रीमेक में अक्षय के साथ नजर आएंगे इमरान हाशमी

बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता अक्षय कुमार मौजूदा दौर के व्यस्त अभिनेताओं में शुमार किए जाते हैं। एक के बाद एक उनकी कई बड़ी फिल्में रिलीज की कतार में शामिल हैं। अब इस कड़ी में एक और फिल्म का नाम जुड़ गया है। जानकारी सामने आ रही है कि वह मलयालम फिल्म ड्राइविंग लाइसेंस की हिन्दी रीमेक में दमदार भूमिका निभाएंगे। खबरों की मानें तो इस फिल्म में उनके साथ अभिनेता इमरान हाशमी भी नजर आएंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक, ड्राइविंग लाइसेंस की हिन्दी रीमेक में अक्षय के साथ इमरान भी नजर आ सकते हैं। बताया जा रहा है कि अब इमरान फिल्म की कास्ट में शामिल हो गए हैं। फिल्म का निर्देशन राज मेहता कर रहे हैं। करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शंस फिल्म का निर्माण कर रही है। इससे पहले अक्षय, करण और राज ने अपनी फिल्म गुड न्यूज में काम किया था। यह 2019 में आई एक कॉमेडी ड्रामा फिल्म थी। रिपोर्ट्स की मानें तो यह फिल्म साउथ स्टार पृथ्वीराज की मलयालम फिल्म ड्राइविंग लाइसेंस की हिन्दी रीमेक है। फिल्म 2019 में रिलीज हुई थी। ऑरिजनल फिल्म में पृथ्वीराज ने एक फिल्म सुपरस्टार की भूमिका निभाई, जबकि सूरज वेंजारामूडु ने एक मोटर इंस्पेक्टर का किरदार अदा किया था। एक गलतफहमी की वजह से दोनों एक-दूसरे के साथ भिड़ जाते हैं और दोनों एक-दूसरे के जीवन को तबाह करने की कोशिश करते हैं।

'रामायण' के लिए रितिक और रणबीर की बंद दरवाजे के पीछे मीटिंग

बॉलिवुड के दो स्टार रितिक रोशन और रणबीर कपूर को फिल्ममेकर जैकी भगनानी के ऑफिस में स्पॉट किए गए। इसके बाद से कयास लगने लगे कि जैकी भगनानी दोनों स्टार्स के साथ कोई फिल्म बना रहे हैं। हालांकि, रिपोर्ट्स के मुताबिक, रितिक रोशन और रणबीर कपूर ने नमित मल्होत्रा के ऑफिस पहुंचकर बंद दरबाज के पीछे मुलाकात की है और फिल्म 'रामायण'पर चर्चा की।

ये भी कहा जा रहा है कि रितिक रोशन और रणबीर कपूर की मीटिंग के दौरान नितेश तिवारी, नमित मल्होत्रा और मधु मंटेना भी मौजूद थे। रिपोर्ट में भी ये भी कहा गया है कि ये फिल्म को लेकर पहली मीटिंग है। रितिक रोशन रावण की तो रणबीर कपूर राम की भूमिका में नजर आएंगे। जबकि अभी तक सीता के रोल के लिए किसी स्टार का नाम फाइनल नहीं किया गया है।

आज का राशिफल

मेष : शारीरिक मानसिक अस्वस्थता अनुभव करेंगे। अधिक परिश्रम के अंत में कम सफलता से निराशा पैदा होगी। संतानों के मामले में चिंता पैदा होगी।

वृषभः आप हरेक कार्य दृढ़ आत्मविश्वास और अटल मनोबल के साथ करके उसमें सफलता प्राप्त करेंगे। पिता या पैतृक संपत्ति से लाभ होगा।

मिथुन : नौकरीपेशा वालों को उच्च पदाधिकारियों तथा सरकार की तरफ से परिश्रम का खूब अच्छा फल मिलेगा। भाग्यवृद्धि के लिए अवसर खड़ा होगा। लघु यात्रा की संभावना है।

कर्क : गलतफहमी और नकारात्मक व्यवहार आपके चित्त में ग्लानि का भाव पैदा करेंगे। स्वास्थ्य में विशेषरूप से आँख की तकलीफ होगी।

सिंह : आज किसी भी काम के संबंध में आत्मविश्वास के साथ त्वरित निर्णय ले सकेंगे। पिता तथा बुजुर्गों के साथ सहयोग प्राप्त करेंगे।

कन्या : आज आपके अहं के कारण तकरार होने की संभावना है। शारीरिक और मानसिक चिंता के साथ आज का दिन व्यतीत होगा।

तुला : मित्रों के साथ मिलना-जुलना या पर्यटन होगा। कुटुंब में आनंद का वातावरण रहेगा। पुत्र और पत्नी से सुख संतोष अनुभव करेंगे। नौकरी व्यवसाय के क्षेत्र में आयवृद्धि होगी।

वृश्चिक : आज गृहस्थजीवन की सार्थकता आपको समझ में आएगी। घर में आनंद उल्लास का वातावरण रहेगा। आपका हरेक कार्य सरलता से पूरा होगा। व्यापारियों को व्यापार में अच्छे अवसर मिलेंगे।

धनु : मन चिंता से व्यग्र रहेगा। संतानों की समस्या इसका कारण हो सकती है। व्यवसाय और नौकरी में तकलीफ खड़ी होगी।

मकर : भागीदारों के साथ संबंध खराब होगा। अचानक प्रवास करने के संयोग खड़े होंगे। उनके पीछे खर्च करने पड़ेंगे।

कुंभः आज का दिन प्रसन्नतापूर्वक बीतेगा। आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी, जिसके कारण कार्य सफलता के लिए सरलता रहेगा।

मीनः मन की दृढ़ता और आत्मविश्वास आपका कार्य सफल बनाएंगे। परिवार में सुख-शांति और आनंद का वातावरण रहेगा।

आलू कोफ्ता करी

आलू से ऐसी कितनी ही रेसिपीज् तैयार की जा सकती हैं जिसे लोग चाव से खाएंगे। तो आज बनाएंगे आलू कोफ्ता करी, जान लें इसकी रेसिपी।

सामग्री :

मटर के उबले दाने - 50 ग्राम, उबले और मसले हुए आलू - 5, नमक, लाल मिर्च पाउडर - स्वादानुसार, नींबू का रस - 1 बड़ा चम्मच, हरा धनिया, तेल तलने के लिए, जीरा - 1 छोटा चम्मच, चाट मसाला - 1 छोटा चम्मच, टमाटर - 1 कटा बारीक हुआ, टमैटो सॉस - 2 बड़े चम्मच, बेसन - 1 बड़ा चम्मच, मक्खन - 2 बड़े चम्मच, शिमला मिर्च - 1/2 बारीक कटी हुई, पनीर के टुकड़े - 2 बड़े चम्मच।

विधि :

कड़ाही या नॉन स्टिक पैन में तेल गर्म करें। जीरे से तड़का लगाएं। आलू, थोड़ी-सी मटर डालकर अच्छी तरह पका लें। फिर सारे मसाले, बेसन डालकर कुछ मिनट तक पकाएं। मसाले को ठंडा कर लें। अब इस मिश्रण से कबाब बना लें। तवे पर मक्खन डालकर कबाब सुनहरा होने तक सेक लें। ग्रेवी बनाने के लिए कड़ाही में तेल गर्म करके जीरा तड़काएं। कटे हुए आलू, मटर डालकर सुनहरा होने तक पकाएं सारे मसाले, कटे टमाटर, शिमला मिर्च, पनीर, टमाटर सॉस डालकर कुछ समय तक और पका लें।

शब्द सामर्थ्य- 222

बाएं से दाएं
1. जीत, फतेह 3. राशन सामान बेचने वाली एक जाति, वैश्य 6. मुर्गी की जाति की एक पक्षी, आधा... आधा बटेर 7. कमल, पंकज, भारत के एक दिवंगत प्रधानमंत्री का नाम 8. नहाने का स्थान, स्नानागार 10. ख्वाब, स्वप्न 12. बुलावा, निमंत्रण 14. तबाही, बर्बादी 17. कत्ल, वध 18. क्षतिपूर्ति, मुआवजा 19. करार, चैन, आराम 21. दृष्टि, निगाह 23. नाश करने योग्य 24. लाडला, प्यारा 25. सीताजी, जनकनंदनी।

ऊपर से नीचे
1. शादी, ब्याह 2. अनाथ, निराश्रित 3. साल, वर्ष 4. दोस्ताना, यारी 5. सुर, देव, भगवान 9. मनुष्य, इंसान, आदमी 11. पाटा जाना, चुकता करना, बात तय करना 12. कार्यक्षेत्र, गोल घेरा, वृत्त 13. अधीनता, मातहती, अधिकार 15. नगर 16. गैरजरूरी 20. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 22. धरती, भूतल, धरातल।

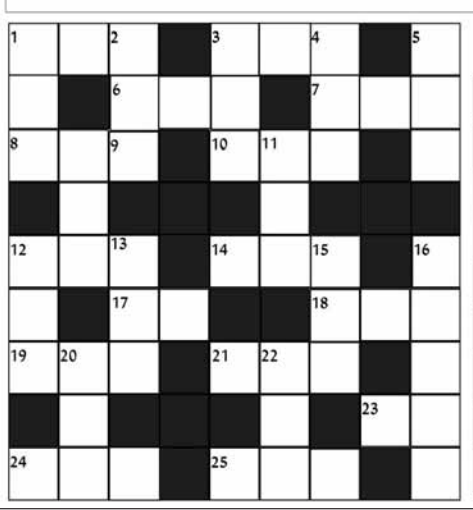

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 221 का हल

अं	त	■	म	री	ज	■	■	■
ग	ह	न	ता	■	ब	र	ब	स
■	की	■	धि	क्का	र	■	र	मा
■	का	■	का	■	द	वा	खा	ना
प	त	वा	र	■	स्त	र	■	■
ह	■	■	■	■	■	दा	मि	नी
ना	■	ए	ह	ति	या	त	■	लां
वा	च	क	■	हा	■	■	खू	ब
■	■	ता	ब	ड़	तो	ड़	■	र

सू-दोकू-222

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक रख सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.221 का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1